

चाणक्य वार्ता

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये

कुल पृष्ठ 40



इस अंक में पढ़ें-

युद्ध विराम पर संशय बरकरार, आशा भोसले का अद्भुत और अमर सफर, भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कहा- पार्टी हमारी मां, बिहार में भाजपा राज, दिल्ली स्थित चाणक्य वार्ता कार्यालय पहुंचे भगत दा, मैली यमुना के दाग धोएगी नायब सरकार, मध्य प्रदेश के विकास में तत्पर मोहन सरकार, सिक्किम के स्वर्णिम सपनों का स्वर्णिम वर्ष, बाल साहित्य में पढ़ें रोचक सामग्री तथा देश-विदेश की सभी प्रमुख खबरों के साथ ही पढ़ें सभी स्थायी स्तंभ



डॉ. हेडगेवार के गांव कंदकुरथी में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर का लोकार्पण

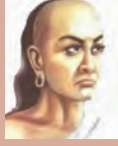


मातृभूमि और धर्म की रक्षा करना सबसे बड़ा कर्तव्य: दत्तात्रेय होसबाले



संघ हमेशा समाज के साथ खड़ा रहा, कभी पीछे नहीं हटा: अरुण कुमार

हर दोस्ती के पीछे कुछ स्वार्थ होता है। बिना स्वार्थ के दोस्ती नहीं होती, यह एक कड़वा सच है।-आचार्य चाणक्य



चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 11, अंक : 8, 16-30 अप्रैल, 2026



अनुक्रम

- 05 सम्पादक के नाम पत्र
- 06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

- 07 आशा भोसले का अद्भुत और अमर सफर : अतुल गोयल
- 09 संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार के पैतृक गांव कंदकुरथी में सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत द्वारा श्री केशव स्फूर्ति मंदिर का भव्य लोकार्पण
- 11 मातृभूमि और धर्म की रक्षा करना सबसे बड़ा कर्तव्य: दत्तात्रेय होसबाले, सरकार्यवाह
- 13 हमेशा समाज के साथ खड़ा रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : अरुण कुमार, सहसरकार्यवाह
- 15 भाजपा का स्थापना दिवस: राष्ट्र प्रथम, पार्टी हमारी मां- प्रधानमंत्री : आर.पी. तोमर



नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसारांम पार्क, उत्तम नगर,
नई दिल्ली-110059
कॉन्फ़रेंस कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2,
सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
252, खिल्ला कॉलोनी, कालका
पंचकुला, हरियाणा-133302
सम्पर्क : 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैसी बाजार
निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट,
चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)
परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. (स्व.) श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)
सम्पादक मंडल
सम्पादक : डॉ. अमित जैन
कार्यकारी सम्पादक : आर.पी. तोमर

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भास्वी
(वरिष्ठ पत्रकार-रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)
दिलीप बैनर्जी, कोलकता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्नेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
अभिषेक त्रिपाठी, आयरलैंड
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी- विशाल शर्मा, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी- राजीव अगस्ती, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी- नवरतन पींचा जैन, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी- आशा सिंह देवासी, मुंबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी- प्रकाश बेताला, भुवनेश्वर
असम प्रभारी- दीक्षित हजारीका, तिनसुकिया
तमिलनाडु प्रभारी- जे.पी. ललवानी, चेन्नई
उत्तर प्रदेश प्रभारी- इंदुभाल त्रिपाठी, प्रयागराज
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी- अंकित जैन, मेरठ



राज्यों से

- 17 बिहार-बिहार में भाजपा राज, 'सम्राट' को ताज : मृत्युंजय झा
 19 दिल्ली-एक है भारत की संस्कृति-भगत सिंह कोश्यारी : हेमंत उपाध्याय
 22 हरियाणा-मैली यमुना के दाग धोएगी नायब सरकार : विशाल शर्मा
 24 मध्यप्रदेश-राज्य के विकास में तत्पर मोहन सरकार : विनोद कुशवाहा
 26 सिक्किम-स्वर्णिम सपनों का स्वर्णिम वर्ष : डॉ. टेकबहादुर छेत्री

बाल साहित्य

- 29 सवाल है भविष्य का : पवित्रा अग्रवाल;
 सफल सुखी जीवन हो जाए: डॉ राकेश चक्र; बरखा रानी : सरिता सुराणा
 चिंतन

- 33 आचार्य चाणक्य कहते हैं कि रहस्य को सुरक्षित रखो : रमेश चन्द्र जैन
 श्रद्धांजली

- 34 नहीं रहे जनसेवक डॉ योगेंद्र सिंह
 35 नहीं रहे समाजसेवी श्री मुंशीराम

समाचार जगत

- 30 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा
 31 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन
 32 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन
 33 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीव अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह
 34 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण
 35 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट
 36 आर्थिक जगत : हेमन्त उपाध्याय

जॉब अलर्ट

- 37 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन



देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य व्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
 डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
 शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
 अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
 डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
 शरद छिब्वर, चंडीगढ़
 रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
 गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
 सतीश दास, गुवाहाटी, असम
 डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
 रतन सुत्रधार, अगरतला, त्रिपुरा
 तुबन राय 'लीली', इटानगर, अरुणाचल प्रदेश
 हरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
 ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम
 किनन कुमार, इफाल, मणिपुर
 डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
 वेद प्रकाश पाण्डेय, बंगलुरु, कर्नाटक
 ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
 जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
 उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
 श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी

अरुण लक्ष्मण, तिरुवनंतपुरम, केरल
 किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
 विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
 सियानंद मंडल, पटना, बिहार
 गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
 प्रफुल्ल कुमार दाश, भुवनेश्वर, ओडिशा
 अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
 राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
 हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
 धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला व्यूरो चीफ
 अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
 अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
 सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
 डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
 संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
 सोनम जैन, दिल्ली
 डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका माँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा chanakyavarta@gmail.com पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा. लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रॉनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : अमित जैन।

आवरण व लेआउट : स्वपन कम्प्यूनिकेशन, दिल्ली

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

चाणक्य वार्ता में प्रकाशित डॉ अमित जैन का संपादकीय 'नक्सलियों की कमर तोड़कर मोदी सरकार ने मिटाया, लाल आतंक' पढ़ा। वास्तव में उन्होंने सटीक लिखा है। यह केंद्र सरकार का अभूतपूर्व और सराहनीय कार्य है। यद्यपि इससे पूर्व भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अनेक उल्लेखनीय कार्य करती आ रही है, लेकिन लाल आतंक का खात्मा नितांत नामुमकिन को मुमकिन करने वाला कार्य ही है। क्योंकि सरकार ने इस बीमारी की नब्ज टटोलकर उस पर प्रहार किया है।

नवनीत कुमार राणा
चारबाग, लखनऊ

वैसे तो पिछले एक महीने से पत्र-पत्रिकाओं में युद्ध की खबरें रोज-रोज देखने को मिल रही हैं लेकिन 1 अप्रैल 2026 के अंक में लेखक योगेश कुमार गोयल ने 'बिना बारूद का युद्ध-जीपीएस से लिखी जा रही वैश्विक रणनीति' में जिन तथ्यों का उल्लेख किया है, वह एक नई जानकारी हैं। इसके लिए चाणक्य वार्ता सम्पादक मण्डल और लेखक योगेश कुमार गोयल को बधाई।

वीरेंद्र कुमार सखलेजा
रोहिणी, दिल्ली

1 अप्रैल 2026 के अंक में चाणक्य वार्ता में महेन्द्र तिवारी का लेख 'बालेन शाह-एक युवा प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर संकल्प' पढ़ा। वैसे तो नेपाल में तभी से बालेन शाह की युवाओं में पकड़ का पता चल गया था, जब वहां युवा सड़कों पर उतरे थे। इस असंतोष में 77 युवकों की जान चली गयी थी। नए बालेन बहुआयामी व्यक्तित्व व क्रांति के नायक हैं, अब नेपाल के भारत सहित अन्य देशों के साथ कैसे संबंध रहेंगे, इस पर भी दुनिया की नजर है।

राम कुमार शर्मा,
पानीपत, हरियाणा

चाणक्य वार्ता के 1 अप्रैल 2026 के अंक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदर्भ में पत्रिका के कार्यकारी संपादक आर.पी तोमर का लेख पढ़ा। जिसमें लेखक ने योगी राज में नव निर्माण के 9 साल

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'



का उल्लेख किया है और बताया है कि किस तरह से उनका यह कार्यकाल राज्य की इकोनॉमी में 'ग्रोथ इंजन' के रूप में कार्य कर रहा है। यकीनन उत्तर प्रदेश में योगी का प्रबंधन बेहद सराहनीय है। उनके बुलडोजर ने राज्य में अलग ही संदेश दिया है। साथ ही राज्य में सरकारी नौकरियों में भी पारदर्शिता आयी है। आज देश में अगर कुछ प्रमुख मुख्यमंत्रियों का नाम लिया जाए तो उनमें योगी आदित्यनाथ के नाम का विशेष उल्लेख जरूर होगा।

एन. नारायण मूर्ति,
यदुहट्टी, बोपाया, बंगलुरु

चाणक्य वार्ता के अप्रैल अंक में अजय भट्ट का लेख पढ़ा, जिसमें गढ़वाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के बारे में बताया गया है। इस समारोह की रिपोर्ट में यह पढ़कर अच्छा लगा कि सम्मान के लिए युवक-युवतियों ने राज्य की परंपरा को कायम करते हुए सांस्कृतिक वेशभूषा पहनी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ योगेन्द्र नारायण ने अपनी सही सलाह दी है कि छात्रों को सकारात्मक परिवर्तन के लिए भी तैयार किया जाना चाहिए।

दीपक सिंह रावत,
देहरादून

मुझे चाणक्य वार्ता के 1 अप्रैल वाले अंक में राजीब अगस्ती का यह आंकलन ठीक ही नजर आ रहा है, जिसमें लिखा गया है कि असम में भाजपा सरकार की हैट्रिक लग सकती है। वही पश्चिम बंगाल के लिए कैलाश कंदोई द्वारा लिखित लेख में यह कहना भी गलत नहीं है कि पश्चिम बंगाल के चुनाव अन्य राज्यों से अलग व महत्वपूर्ण होते हैं। इस बार इस राज्य में

एस.आई.आर के माध्यम से लाखों अवैध मतदाताओं की छंटनी हुई है। देखना होगा कि 4 मई को क्या परिणाम सामने आएंगे?

अदिति प्रसाद सिंह
पटना, बिहार

बाल साहित्य स्तंभ के अंतर्गत चाणक्य वार्ता अप्रैल 2026 के अंक में नफे सिंह कादियान द्वारा लिखित 'नानी कहती एक कहानी' पढ़ी। पहले तो मैं पत्रिका के सम्पादक मण्डल को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने बाल साहित्य का समावेश कर बाल पाठकों को नई सामग्री प्रस्तुत की है। इस कहानी में चोर, मोर, नीला, मक्खी, शहद, तोता, अमरूद, मुन्नी को निद्रा आयी की श्रृंखला को सुंदर तरीके से पिरोया गया है।

रीना कोचर
चेन्नई, तमिलनाडु

संपादक जी वैसे तो मैं पत्रिकाओं को पढ़ने में रुचि रखता हूँ। लेकिन मैंने हाल ही में आपकी पत्रिका 'चाणक्य वार्ता' का नवीनतम अंक पढ़ा। जिसमें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और क्षेत्रीय खबरों के विश्लेषण दिए गए हैं। जिनसे बहुत ही खोजपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। पत्रिका में बच्चों के लिए कहानी व कविता भी अच्छी है तो युवकों की सबसे बड़ी जरूरत जॉब अलर्ट में अनेकों वकेंसियों को देकर आपने पाठकों की रुचि को बढ़ाया है। मेरा मानना है कि यह पत्रिका अन्य पत्रिकाओं से भिन्न है। इसमें राजनीतिक स्तर पर बहुत कुछ मिला है तो राज्यों की सभी महत्वपूर्ण खबरें भी दी गई हैं। मेरा अनुरोध है कि इसे ग्रामीण क्षेत्रों से भी जोड़ा जाए।

डॉ आयुष कुमार,
हाथी गांव, आमेर

युद्ध विराम पर संशय: ईरान व अमेरिका दोनों जिद पर अड़े



ईरान-अमेरिका व इजरायल के बीच हुए युद्ध से इन तीनों देशों में भारी जान माल की क्षति हो रही है। ईरान को 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। उसके 66% से अधिक मिसाइल और ड्रोन उत्पादन केंद्र, साथ ही जहाज निर्माण का बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है। 160 से 190 बैलिस्टिक मिसाइल लांचर नष्ट हुए हैं। अकेले ईरान में ही 2,076 लोगों की मौत हुई और 26,500 लोग घायल हुए। हमलों में कई शीर्ष कमांडर और अधिकारी भी मारे गए, जिनमें रक्षा मंत्री, खुफिया मंत्री और आईआरजीसी के प्रमुख शामिल हैं। उधर अमेरिका को लगभग 30 अरब डॉलर (लगभग 2,51,000 करोड़ रुपये) का भारी वित्तीय नुकसान और अपने सैनिकों की मौत का सामना करना पड़ा है। युद्ध में विमान, रडार, सैटेलाइट उपकरण और मिसाइलें भी नष्ट हुई हैं, जिसमें 2000 करोड़ से अधिक का एक ड्रोन भी शामिल था। इसी के साथ जितना नुकसान हुआ है उससे कहा जा सकता है कि ईरान को उबरने के लिए कम से कम 8 से 10 साल लग जाएंगे। यद्यपि अमेरिका को भी कम क्षति नहीं हुई है।

युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, यह हर बुद्धिजीवी जानता है। बावजूद उसके अपने अहम और नाक ऊंची रखने के लिए वह युद्ध में उतरता है। जान-माल की क्षति के बाद भी युद्ध को रोककर वही बातचीत का मार्ग अपनाया जाता है, जिसकी पहले ही जरूरत थी। ईरान-अमेरिका व इजरायल युद्ध में विभीषिका झेल चुके तीनों देशों ने कुछ समय के लिए युद्ध विराम किया है। आगे के लिए बातचीत के रास्ते खुले हैं। यद्यपि एक बार

में बात सफल नहीं हो पाई है।

इस दौरान ईरान के होर्मुज स्ट्रेट को सभी व्यावसायिक जहाजों के लिए पूरी तरह खोल देना वैश्विक व्यापार के लिए राहत की बहुत बड़ी खबर रही। इससे इस संकरे समुद्री मार्ग को लेकर पिछले डेढ़ महीने से जारी तनाव निश्चित ही कम होगा। अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध की जितनी बड़ी वजह तेहरान का परमाणु कार्यक्रम है, उतनी ही बड़ी वजह होर्मुज भी बन चुका है। दोनों के बीच पहले दौर की वार्ता असफल होने के पीछे एक बड़ी वजह होर्मुज भी था।

यह युद्ध रुकना ही चाहिए। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने चेताया है कि पश्चिम एशिया में हुए नुकसान की वजह से तेल उत्पादन को युद्ध के पहले वाली स्थिति में लाने में लगभग दो साल लग जाएंगे। यानी, अगर कोई समझौता होता है, तो भी दुनिया को झटके से उबरने में लंबा समय लगेगा, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री की ओर से होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि ईरानी सेना ने उस पर फिर से अपना पहरा बैठाने का फैसला कर लिया। उसने इस कारण होर्मुज को फिर से बंद करने का फैसला किया, क्योंकि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर अड़ा है। साफ है कि पश्चिम एशिया संकट के मामले में कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ रहा है तो कभी अमेरिका जिद नहीं छोड़ रहा है। जब युद्ध विराम की शर्तों के तहत होर्मुज खोलने पर सहमति बन गई थी और उसका दायरा लेबनान तक प्रभावी हो जाने के बाद ईरान ने इस समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोलने की घोषणा कर दी थी तो

फिर अमेरिका को भी ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के अपने फैसले से पीछे हट जाना चाहिए था। तब तो और भी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के फैसले का स्वागत किया और दोनों देश दूसरे दौर की शांति वार्ता करने की संभावनाएं भी टटोल रहे हैं। यह अमेरिका और ईरान के साथ पश्चिम एशिया के लिए ही आवश्यक नहीं है कि दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी रूप दिया जाए, बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी आवश्यक है, क्योंकि होर्मुज के बाधित होने के कारण विश्व भर में ऊर्जा संकट गहरा रहा है। वैसे तो इस समुद्री मार्ग के बाधित होने से सबसे अधिक भारत और अन्य एशियाई देश प्रभावित होते हैं, लेकिन इस मार्ग से तेल और गैस की आपूर्ति में कमी आने के नतीजे में उनके दाम बढ़ने का असर पूरे विश्व पर पड़ता है।

यह अच्छा है कि भारत रूस से तेल खरीद मामले में अमेरिका के रवैये की परवाह नहीं कर रहा है। भारत को न केवल अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने चाहिए, बल्कि खुद को आर्थिक रूप से इतना सक्षम भी बनाना चाहिए कि अमेरिका किसी तरह का अनुचित दबाव न डालने पाए। अमेरिका और ईरान के बीच लागू अस्थायी युद्धविराम की अवधि जैसे-जैसे करीब आ रही है, उसके स्थायी रूप लेने पर वैसे-वैसे संशय बढ़ रहा है। इस नाजुक युद्धविराम को देखते हुए भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए और अधिक सक्रियता दिखानी होगी। उसे न केवल ऊर्जा आयात के नए विकल्प तलाशने होंगे, बल्कि इसके लिए भी उपाय करने होंगे कि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम कैसे हो। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप व भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच टेलीफोन पर हुई वार्ता से यह उम्मीद भी बंधी है कि पुनः वार्ता होगी। वार्ता के लिए ईरान-अमेरिका दोनों को ही जिद छोड़नी होगी। तभी वार्ता सफल हो सकती है। जिद से वार्ता की सफलता पर संशय ही बना रहता है।

—डॉ अमित जैन